हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम, जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए

5.2.24 अभिपत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता गण हाजिर। वादी स्वयं अधिवक्ता के साथ प्रार्थना पत्र पेश करने पर पत्रावली पेश की गई। वादी के निवेदन किया कि वादी मेरे नाम की भूमि पत्र 2 बीडब्लू एल्एम के मु.नं. 30 पर नं. 288/338 की कुल 4.934 है. भूमि के संबंध में हुए बैनामा दिनांक 10.03.2000 जो वादी के साथ मुनीर मुहम्मद आम हसराज मुहम्मदनामा दिनांक 18.01.1994 की मार्फत प्रतिवादीगण ने धोखे के पत्र के करवाया था, कि उक्त उपरोक्त अभवात का वाद श्रीमान् न्यायालय में पेश किया था जिसमें मुझ वादी का सही नाम होने के कारण वाद हावा जारिज खिड़ो खारिज करवाया चाहता है। उक्त वाद पत्र मौजूदा सूरत के जरिये खिड़ो खारिज करमादे।

वादी के प्रार्थना पत्र व अभिपत्रावली के बयानों के आधार पर वाद पत्र के एलमुद्दतावाजा का अवलोकन किया गया। वादी एवं प्रतिवादीगण के मध्य वादी नाम ही गुमराह है कि वाद पत्र के अग्रिम चलाने का कोई औचित्य नहीं। वाद पत्र के जरिये एवं खिड़ो खारिज किया जाता है। पत्रावली कैथली अनुसार डिक्री हासिल हो।

विदित सुनाया गया।

अ. नि. महेन्द्र सिंह

Signed by me
Identified by me

हंसराज
पहचानकर्ता
द्वारा
द्वारिका सिंह

Signature Not Verified
Digitally signed by Subhash Chandra
Date: 2025.03.05 12:31:09 IST
Reason: SelfAttested

उपखण्ड अधिकारी
सत्यापित

उपखण्ड अधिकारी (राजस्व) रायसिंहनगर